कैंसर से पीड़ित बच्चे के इलाज में हम आपके साथ हैं

आप घबराइये नहीं अपना मनोबल बना कर रखे

आशावादी रहें

अपने डॉक्टर से बीमारी के बारे में समझे।

इलाज़ के खर्च का अनुमान डॉक्टर द्वारा बताया जाता है।

कैंसर के उपचार हेतु अस्पताल / सरकार से मदद मिलती है।

अस्पताल में आपके बच्चे की भर्ती एवं जांच भी मुफ्त कराई जा सकती है।

बाल रोग विभाग के सामाजिक कार्यकर्ता इस प्रक्रिया में आपकी सहायता करेंगे।

आपके लिए लाभदायक होगा

अन्य माँ बाप / रिश्तेदार, जो बच्चे का इलाज करा रहे हैं उनसे बीमारी के बारे में बातचीत करे। कोशिश करे की एक ही रिश्तेदार बच्चे का पूरा इलाज़ कराये। ताकि इलाज़ के बारे में और जरुरी जांच के बारे में पूरी जानकारी हो।

ब्लड डोनेशन अपने डॉक्टर के दिशा निर्देश में ब्लड बैंक में अवश्य करे, जो की आपके बच्चे के इलाज़ में काम आएगा एवं परिजनों को भी ब्लड डोनेशन के लिए जागरूक करे

एम्स से मिलने वाली सुविधा

अस्पताल में आपको जेनेरिक मेडिसिन विभाग द्वारा अधिकतर दवाइयाँ मुफ्त प्राप्त होती है
रेलवे किराये में रियायत भी मिलती है

आपके सुविधा के लिए हमने
सहायता मोबाइल नंबर - 9810590067/
ईमेल - c3sambhav@gmail.com/ सहायता समूह है।

डॉक्टर की सलाह अवश्य माने

जी हां!! बाल कैंसर का इलाज संभव है यदि सही समय से एवं सही तरह से किया जाए।

बच्चों के कैंसर

कैंसर के इलाज के लिए आवश्यक जानकारी

बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग
बाल रोग विभाग
अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, एम्स

कैंसर क्या है

कैंसर शब्द ऐसे रोगों के लिए प्रयुक्त किया जाता है जिसमें असामान्य कोशिकाएं बिना किसी नियंत्रण के विभाजित होती हैं और वे अन्य ऊतकों पर आक्रमण करने में सक्षम होती हैं। कैंसर की कोशिकाओं रक्त और लसीका प्रणाली के माध्यम से शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं।

शरीर कई प्रकार की कोशिकाओं से बना होता है। सभी प्रकार के कैंसर कोशिकाओं में शुरू होते है, जो शरीर में जीवन की बुनियादी इकाई होती हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए ये कोशिकाओं वृद्धि करती हैं और नियंत्रित रूप से विभाजित होती हैं। कोशिकाएं जब पुरानी या क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, तो वे मर जाती हैं और उनके स्थान पर नई कोशिकाएं आ जाती हैं।

हालांकि कभी कभी यह व्यवस्थित प्रक्रिया गलत हो जाती है। जब किसी सेल की आनुवंशिक सामग्री (डीएनए) क्षतिग्रस्त हो जाती है या बदल जाती हैं, तो उससे उत्परिवर्तन (म्युटेशन) पैदा होता है, जो कि सामान्य कोशिकाओं के विकास और विभाजन को प्रभावित करता है। जब ऐसा होता है, तब कोशिकाएं मरती नहीं, और उसकी बजाए नई कोशिकाएं पैदा होती हैं, जिसकी शरीर को जरूरत नहीं होती। ये अतिरिक्त कोशिकाएं बड़े पैमाने पर ऊतक रूप ग्रहण कर सकती हैं, जो ट्यूमर कहलाता है। हालांकि सभी ट्यूमर कैंसर नहीं होते, ट्यूमर सौम्य या घातक हो सकता हैं।

सौम्य ट्यूमर (Benign tumors): ये कैंसर वाले ट्यूमर नहीं होते। अक्सर शरीर से हटाये जा सकते है और ज्यादातर मामलों में, वे फिर वापस नहीं आते। सौम्य ट्यूमर में कोशिकाएं शरीर के अन्य भागों में नहीं फैलते।

घातक ट्यूमर (Malignant Tumors): ये कैंसर वाले ट्यूमर होते हैं, और इन ट्यूमर की कोशिकाएं आसपास के ऊतकों पर आक्रमण कर सकती हैं तथा शरीर के अन्य भागों में फैल सकती हैं। कैंसर के शरीर के एक भाग से दूसरे फेलने के प्रसार को मेटास्टेसिस (metastasis) कहा जाता है।

- बच्चों के कैंसर का इलाज संभव है
- कैंसर ठीक होने के बाद एक सामान्य जीवन व्यतीत कर सकते हैं
- कैंसर एक संक्रामक बीमारी नहीं है
- हमारे अस्पताल में कैंसर के इलाज़ की सभी सुविधाएं उपलब्ध है
- इलाज के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी संस्था की मदद ले सकते है
- बेटियों / बच्चियों के कैंसर का इलाज अवश्य कराएं

बच्चों में होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर कौन से हैं?

ल्यूकीमिआ (ब्लड कैंसर)

यह सबसे आम प्रकार का बच्चों का कैंसर है। ल्यूकीमिआ अस्थि मज्जा का कैंसर है। इस रक्त कैंसर के दो मुख्य रूप हैं एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ एवं एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ ।

- **एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ (ए एल एल):** बच्चों में होने वाले कैंसरों में सबसे आम प्रकार का कैंसर है । ल्यूकेमिया से पीड़ित लगभग ७५% बच्चों में ए एल एल होता है । ये हड्डियों के अंदर लिम्फॉइड कोशिकाओं में होने वाला कैंसर है। लिम्फॉइड कोशिकाएं , शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र में शामिल होतीं हैं।
- **एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ (ए एम एल):** इसे एक्यूट नॉन लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिआ या एक्यूट मायलॉइड ल्यूकीमिआ या ए एम एल कहते हैं । ये शरीर में बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमणों से लड़ने वाली मायलॉइड रक्त कोशिकाओं का कैंसर है जो हड्डियों के अंदर पैदा होतीं हैं।

लिम्फोमा

लिम्फोमा, लिम्फ ऊतकों के ट्यूमर हैं, जो कि शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा हैं । लिम्फोमा के प्रकार हैं :

- **हॉजकिन्स लिम्फोमा :** ये शरीर के ऊपरी सतह पर मौजूद लिम्फ ग्रथियों को प्रभावित करता है जैसे गर्दन , बाजू और पेडू के पास।
- **नॉन हॉजकिन्स लिम्फोमा:** ये शरीर के गहरी सतह पर मौजूद लिम्फ ग्रथियों को प्रभावित करता है। इसके भी कई प्रकार हैं जैसे बर्रकिट्ज, एनाप्लास्टिक एवं लिम्फोब्लास्टिक लिम्फोमा।

न्यूरोब्लास्टोमा:

ये सिम्पेथेटिक तंत्रिका तंत्र का कैंसर है जो कि आम तौर पर गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल ग्रंथि में पैदा होता है ।

रेटिनोब्लास्टोमा:

ये आँख के रेटिना (आँख के पीछे उपस्थित पतली झिल्ली) का फैलने वाला घातक कैंसर है।

सार्कोमा

सार्कोमाज़ में हड्डियां और कोमल ऊतक के कैंसर शामिल होते हैं।

हड्डी के कैंसर

✓**ओस्टेओसार्कोमा :** ये हड्डियों के कैंसर का सबसे सामान्य प्रकार हैं । ये सामान्यतया शरीर की लम्बी हड्डियों के सिरे पर होते हैं जो जोड़ के पास हों।

✓**ईविंग्स सार्कोमा :** ये आम तौर पर हड्डियों के बीच में होता है, और अंगों जैसे जाँघों, कूल्हे की हड्डियों, ऊपरी भुजा तथा पसलियों में होता है।

कोमल ऊतक सार्कोमा

✓**रैब्डोमायोसार्कोमा :** कोमल ऊतकों का सार्कोमा, मांस पेशियों में होता है. आम तौर पर सर , गर्दन, गुर्दे, मूत्राशय, हाथों एवं पैरों में होता है।

यकृत के कैंसर

लिवर कैंसर जिगर की असामान्य वृद्धि (ट्यूमर) के रूप में उभरता है । बच्चों में सबसे आम जिगर कैंसर के प्रकार हैं:

✓**हिपैटोब्लास्टोमा**

✓**हिपैटोसेल्युलर कार्सिनोमा**

गुर्दे के कैंसर

✓**विल्म्स ट्यूमर :** इन्हे नेफ्रोब्लास्टोमा भी कहते हैं।

✓**क्लीयर सेल् सार्कोमा**

केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के कैंसर:

✓मस्तिष्क ट्यूमर में सबसे आम ट्यूमर ग्लिओमा कहलाते हैं।

अन्य :

जर्म सेल ट्यूमर : जर्म सेल ट्यूमर वृषण, अंडाशय, रीढ़ की हड्डी के निचले सिरे पर, मस्तिष्क, सीने या पेट के बीच में होते हैं।

सामान्य लक्षण

- अज्ञात कारणों से/लम्बे समय तक बुखार आना
- शरीर में गांठों का संख्या / आकार में बढ़ना / गांठों का कई जगहों पर होना
- आँख के बीच में सफ़ेद चमक का धब्बा, भेंगापन
- अकारण वज़न में कमी आना
- शरीर में पीलापन आना
- बार बार खून चढाने की ज़रुरत पड़ना
- शरीर में सूजन/गाँठ का बढ़ना

कैंसर का जल्दी पता लगना क्यों महत्वपूर्ण है?

- उपचार के परिणाम बेहतर होते हैं
- कम गहन उपचार होता है
- दवाओं की कम विषाक्तता होती है
- मरीज़ के बचने की बेहतर संभावना होती है
- विकिरण और सर्जरी की ज़रुरत नहीं भी हो सकती है
- कम खर्च होता है
- जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है
- कम देर प्रभाव होते हैं

कैंसर के परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें

कैंसर	परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें
ल्यूकीमिआ (Leukemia)	➢हीमोग्राम (Hemogram) ➢पेरिफेरल स्मीयर (PS) ➢बोन मैरो (ऐस्पिरेशन एवं बायोप्सी) ▪मोर्फोलॉजी एवं इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री ▪फ्लोसयटोमेट्री (Flowcytometry) ▪साइटोजेनेटिक्स(Cytogenetics)
लिम्फोमाज़ (Lymphomas)	➢हॉजकिन्स लिम्फोमा (Hodgkin lymphoma) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪पेट सी टी (PET CT) ▪बोन मैरो ±
	➢नॉन -हॉजकिन्स लिम्फोमा (Non - Hodgkin lymphoma) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪बोन मैरो (Bone Marrow) ▪पेट सी टी (PET CT)
एल सी एच (LCH)	▪हीमोग्राम (Hemogram) ▪लिवर फंक्शन टेस्ट (एल एफ टी) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪स्केलेटल सर्वे (Skeletal Survey) ▪सी टी स्कैन/अल्ट्रासाउंड ▪पेट सी टी (PET CT) ▪बोन मैरो ±

कैंसर के परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें

कैंसर	परीक्षण के लिए जरूरी जाँचें
रेटिनोब्लास्टोमा (Retinoblastoma)	▪अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪एमआरआई (MRI) ▪बेहोश करके जांच (इ उ ए) ▪बायोप्सी (इन्यूक्लिएशन) ±
न्यूरोब्लास्टोमा (Neuroblastoma):	▪अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪बोन स्कैन (Bone Scan) ▪एम आई बी जी (MIBG) ▪स्केलेटल सर्वे (Skeletal survey) ▪यूरीन वी एम ए (Urine V M A) ▪बोन मैरो (Bone Marrow) ▪पेट स्कैन (PET Scan)
जे एम एम एल (JMML)	▪हीमोग्राम (Hemogram) ▪पेरिफेरल स्मीयर (PS) ▪बोन मैरो ऐस्पिरेशन ▪साइटोजेनेटिक्स(Cytogenetics)
आर एम एस (RMS)	▪बायोप्सी (Biopsy) ▪सी टी स्कैन (CT Scan)/पेट सी टी (PET CT) ▪एमआरआई (MRI)
पी एन ई टी (PNET)/ ईविंग्स सार्कोमा (Eving's Sarcoma)	▪सी टी/एमआरआई (CT/MRI) ▪बायोप्सी (Biopsy) ▪बोन मैरो (Bone Marrow) ▪पेट सी टी (PET CT)
विल्म्स ट्यूमर (Wilms tumor) & हिपैटोब्लास्टोमा (Hepatoblastoma)	▪अल्ट्रासाउंड (Ultrasound) ▪सी टी स्कैन (CT Scan) ▪चेस्ट एक्स -रे (Chest X-ray) ▪कोएगुलेशन प्रोफाइल (Coagulation profile)

उपचार रूपरेखा

कीमोथेरपी	विकिरण-चिकित्सा	शल्य-चिकित्सा	अन्य
ये मौखिक / आई वी / आईएम / इंट्राथीकल मार्ग द्वारा दी जाती है	शरीर के विभिन्न भागों जैसे गर्दन, छाती, पेट, मस्तिष्क आदि पर दी जाती है	सर्जरी, अंगों के ट्यूमर में आवश्यकता पड़ने पर, बाल चिकित्सा सर्जन/आर्थोपेडिक सर्जन / नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा की जाती है	✓(अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण ✓लक्षित चिकित्सा
अपने चिकित्सक के साथ कीमोथेरेपी के दुष्प्रभावों के बारे में चर्चा कर सकते हैं।	**अपने चिकित्सक के साथ विकिरण-चिकित्सा के दुष्प्रभावों के बारे में चर्चा कर सकते हैं।**		

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

कैंसर के इलाज का दो सबसे आम प्रकार: कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा दोनों ही न केवल तेजी से बढ़ रही कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करते हैं बल्कि स्वस्थ कोशिकाओं को भी मार देते हैं जिससे कि अवांछित प्रभाव या दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

मतली और उल्टी आना : इसका कैसे सामना कर सकते हैं-

- ▪खाना धीरे-धीरे खाएं और धीरे-धीरे पानी पियें
- ▪थोड़ा-थोड़ा कई बार भोजन करें, एक साथ अधिक भोजन न खाएं
- ▪अधिक गंध वाले खाद्य पदार्थों से बचें
- ▪भोजन को ठंडा करके खाएं

स्वाद और गंध में बदलाव लगना:

- ▪कमरे के तापमान पर भोजन परोसें
- ▪बहुत ज्यादा गंध वाला खाना न बनाएं जैसे तेज़ तड़का न लगाएं
- ▪बच्चे को रोज़ वाले खाने से कुछ अलग बना कर खिलाएं
- ▪बच्चे के मुंह की नियमित सफाई करें एवं उसे रोज़ ब्रश कराएं, मुंह की सफाई, स्वाद को कुछ ठीक करती है

प्रतिरक्षा तंत्र का ठीक न रहना : कीमोथेरेपी अस्थि मज्जा की सफेद रक्त कोशिकाओं, लाल रक्त कोशिकाओं, और प्लेटलेट्स के बनने पर प्रभाव डालती है जिससे उनकी कमी हो जाती है। मरीजों को चाहिए कि वे-

- ▪हाथों को ठीक प्रकार से धोएं
- ▪बीमार लोगों के साथ संपर्क से बचें जैसे कि जिन लोगों को ज़ुकाम या खांसी हो, उनसे बचें
- ▪घर का अच्छी तरह से पका हुआ खाना ही खाएं
- ▪4 महत्वपूर्ण "स" का ध्यान रखें ("स्वच्छ" पानी, "स्वच्छ" भोजन, "स्वच्छ" वातावरण, स्वयं की "स्वच्छता")

संक्रमण !!
रक्त कणिकाओं की कमी के अलावा, कीमोथेरेपी का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण दुष्प्रभाव

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

विकिरण चिकित्सा के दुष्प्रभाव: आमतौर ये इस बात पर निर्भर है की विकिरण किस क्षेत्र में दी गयी है, विकिरण की मात्रा क्या है, शरीर के किस आंग में मिली है तथा प्रकार (आंतरिक या बाह्य विकिरण) क्या है। विकिरण दुष्प्रभाव आमतौर पर निम्नलिखित होते हैं -

- ○ थकान
- ○ त्वचा में परिवर्तन
- ○ आंत्र/पाचन में गड़बड़ी
- ○ बाल झड़ना
- ○ श्रोणि (कमर) के आस-पास मिली विकिरण कभी कभी प्रजनन कार्यों को भी प्रभावित करती है

दर्द: कुछ कीमोथेरपी दवाओं के प्रभाव से सिर दर्द, मांसपेशियों में दर्द, पेट दर्द, या यहां तक कि अस्थायी तंत्रिका क्षति भी हो सकती है, जिससे हाथ एवं पैरों में जलन, सुन्न पड़ना, झुनझुनी इत्यादि समस्याएं हो सकतीं हैं।

आंत्र/पाचन में गड़बड़ी: इसका सामना करने के लिए आप-

- ▪दुग्ध उत्पादों का उपयोग कम करें
- ▪रेशेदार सब्जियाँ / साबुत अनाज खाएं

संक्रमण को कम करने में साफ-सफाई बहुत महत्वपूर्ण है; जैसे स्वच्छ भोजन, स्वच्छ पानी, स्वच्छ वातावरण और साफ कपड़े !!!

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

थकान : ये कैंसर के उपचार,कैंसर के दर्द और खून की कमी या कैंसर के साथ मुकाबला करने के भावनात्मक पहलुओं की वजह से हो सकती है । आप ऐसा कर सकते हैं-

- कई बार थोड़ी-थोड़ी नींद लें
- थोड़ा चलें या हल्के व्यायाम करें
- जो कार्य आपको मुश्किल या थकाऊ लगें उसमे आप अपने दोस्तों तथा परिवार की मदद ले लें
- जो काम आपको बहुत महत्वपूर्ण लगते हों, उन कार्यों के लिए अपनी ऊर्जा बचा कर रखें या उन्हें पहले करें
- अपने डॉक्टर से बात करें

त्वचा / नाखून में बदलाव : कीमोथेरेपी, आमतौर पर त्वचा में चकत्ते / लाली / फफोले /त्वचा की छिलन व जलन का कारण बन सकती है - खासकर कि अगर बच्चे को विकिरण चिकित्सा, कीमोथेरेपी से पहले मिली हो। ऐसे में आप ऐसा कर सकते हैं-

- परेशानी को कम करने के लिए, ढीले, मुलायम सूती कपड़े पहने।
- क्रीम, मलहम और सनस्क्रीन का उपयोग कर सकते हैं।

बाल झड़ना : ऐसा कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा के कारण होता है।

- अपने बच्चे को समझाएं कि उसके बाल वापस आ जाएंगे हालांकि, बाल एक अलग रंग या बनावट के हो सकते हैं।

कैंसर उपचार के आम दुष्प्रभाव

मुंह के छाले: इसकी वजह से मुंह में दर्द और संक्रमण, खाने-पीने और निगलने में कठिनाई हो सकती है। आप ऐसा कर सकते हैं-

- मौखिक स्वास्थ्य को बनाए रखें
- अपने मुंह को साफ़ रखें।
- अगर ज़रुरत पड़े तो अपने दंत चिकित्सक से मिलें
- ब्रश करने के लिए एक नरम बाल वाले ब्रश का चयन करें
- 1 कप सादे पानी में, आधा चम्मच नमक, आधा चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर घोल बनाएं और उससे गरारे करें।
- तरल पदार्थों का खूब सेवन करें।
- बर्फ के टुकड़े, मौखिक जेल, या दर्दनाशक दवाओं का डॉक्टर से पूछकर प्रयोग करें
- ये पता लगाएं कि मुंह की ये जलन फफूंद या हर्पीज़ संक्रमण की वजह से तो नहीं है

रक्त की कमी : सामान्य कमजोरी और पीलापन खून की कमी हो सकती है। आप ऐसा कर सकते हैं-

- हरी पत्तेदार सब्जियां / दाल / लाल रंग की सब्जियां और फल खाएं
- मेवे खाएं
- दूध के उत्पादों का सेवन करें

प्लेटलेट्स कम होना : किसी अंग से खून आना या त्वचा पर लाल / भूरे रंग के धब्बे पड़ना

- आपको अपने डॉक्टर से तुरंत परामर्श करना चाहिए। प्लेटलेट्स चढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

यौन और प्रजनन कार्यों में समस्या: अपने डॉक्टर से बात करें।

इलाज शुरू करने से पहले ध्यान रखने योग्य बातें

✓आपको अपने बच्चे के रोग के बारे में अपने डॉक्टर से अच्छी तरह समझना चाहिए

✓हमेशा डॉक्टर की बात सावधानी पूर्वक सुनें जो आपको इलाज और देखभाल के बारे में बताई जाती है।

✓कीमोथैरेपी के लिए धन राशि और रहने के स्थान की व्यवस्था करें।

✓बच्चे को संक्रमण से बचाया जाना चाहिए। आपके डॉक्टर उसकी देखरेख के बारे में निर्देश देंगे।

✓साफ हाथ, साफ पानी, साफ भोजन और साफ परिवेश सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं।

✓यह बेहतर है कि जब आपके बच्चे का इलाज शुरू हो जाता है और उसे रहने का स्थान मिल जाता है तो माता – पिता / अभिभावकों में से एक व्यक्ति इलाज के लिए बच्चे के साथ रह सकता है और परिवार के बाकी लोग घर जाकर अपना काम संभाल सकते हैं।

✓यदि डॉक्टर आपसे कहता है तो आपको खून की व्यवस्था करनी होगी।

उपलब्ध उपचार सुविधाएं

दिवस उपचार सुविधा (Day Care Facility)

✓प्रक्रिया

✓रक्त जांच

✓कीमोथेरपी

✓रक्त घटक थेरेपी

✓इंट्रावेनस इन्फ्यूजन

✓एंटीबायोटिक्स लगवाना

आपको उपरोक्त दिवस उपचार सेवाओं को लेने के लिए कुछ घंटों के लिए (शॉर्ट-एडमिशन) भर्ती होना पड़ेगा।

ओ पी डी सुविधाएं

पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी क्लिनिक

ओ पी डी कमरा नंबर 14 एवं डी (D) सोमवार सुबह 9:00 बजे

चिल्ड्रन ओ पी डी

ओ पी डी कमरा नंबर 07 बुधवार एवं शनिवार सुबह 9:00 बजे

पीडियाट्रिक कैंसर सर्वाइवर क्लिनिक (PCSC)

ओ पी डी कमरा नंबर 14; बृहस्पतिवार दोपहर 2.00 बजे

कैंसर रोगियों के रहने की उपलब्ध सुविधाएं

राजगडिया धर्मशाला
निकट एम्स अस्पताल

साई सदन व् सुरेखा सदन
धर्मशाला निकट
एम्स अस्पताल

सेंट जूड धर्मशाला (नॉएडा)

होम अवे होम कोटला
मुबारकपुर (Cankids)

धर्मशाला में रहने के लिए फॉर्म अपने डॉक्टर/ सामाजिक कार्यकर्ता से प्राप्त करें।

वित्तीय (मेडिकल) सहायता

कैंसर के बच्चों के इलाज हेतु सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाएं उपलब्ध हैं , जिसके बारे में अधिक जानकारी तथा उसका लाभ लेने के लिए आप अपने सोशल वर्कर एवं डॉक्टर से संपर्क करें

सरकारी संस्थाएं

- द एम्स हॉस्पिटल पुअर फंड
- प्रधानमन्त्री राहत कोष
- राष्ट्रीय आरोग्य निधि
- राज्य आरोग्य निधि
- ऐम्सोनियन पुअर फण्ड

गैर सरकारी संस्थाएं

CANKIDS..KIDSCAN
enabling children and their families faced with cancer

CPAA

INDIAN CANCER SOCIETY

JIV DAYA FOUNDATION
Dallas Texas

St Jude India ChildCare Centres

- अपने बच्चे का इलाज सही तरीके से व समय से कराये।
- बच्चे को यदि बुखार, अधिक खाँसी, उल्टी, मुँह में छाले, साँस में तकलीफ हो, कहीं से खून बहने लगे या बच्चा सुस्त हो जाए या खानाबंद कर दे; तुरन्त अपने डाक्टर से सलाह करें।
- डाक्टर की सलाह पर पूरा ध्यान दें।

- बच्चे के इलाज़ से जुड़े कागज़ (PROTOCOL) व् डे केयर नोट बुक हमेशा अपने पास सम्हाल के रखे।
- बच्चे की दवाईया नर्स से समय समय पर चेक कराते रहे।

घर पर कराये गए इलाज़ का विवरण निचे टेबल में अवश्य कराये।

परेशानी / लक्षण	दवाइयों का विवरण	अवधि	हस्ताक्षर

बचपन में होने वाले कैंसर का इलाज किया जा सकता है

यदि इसका :

- समय पर पता लग जाए
- सही तरीके से निदान हो जाए
- सही समय पर रेफर किया जाए
- उचित इलाज और समर्थनकारी देखभाल

Division of Pediatric Oncology/बाल अर्बुदविज्ञान प्रभाग
Department of Pediatrics
All India Institute of Medical Sciences, New Delhi

SICK CARD

Name / नाम .....Age.....Sex.....POC

No.....

Diagnosis----------Date of starting

Rx.....

सिक कार्ड का प्रयोग, जब बच्चा अस्पताल से दूर व् बीमार हो तब नजदीकी डॉक्टर को दिखाकर करे

Contact us: / संपर्क करें

Helpline No. 9810590067 **Pediatric Day Care** **91-11-2659 4434**

E mail: c3sambhav@gmail.com **SR Pediatrics Oncology** **91-9868397536**

Childhood cancer is curable if detected in time and treated properly

Alarming symptoms/signs: fever, cough, loose motions, oral ulcers, poor feeding , rapid breathing, bleeding from any site , pain abdomen, pain on stool passage, change in sensorium, convulsions, pain in throat, pain in swallowing, chest pain, retrosternal discomfort, rash, ear discharge, nasal discharge, headache, jaundice, urinary complaints, boils

If you have any of these consult your doctor !!

Medicines that you must have with you

Medicine	Strength	Times/day	Remarks
Paracetamol			Fever
Amoxyicillin-clavulanate			Cough, nasal discharge, ear discharge, boils
Ofloxacin			Loose stools, urine complaints
Metrogyl			Loose motions, abscess, pain abdomen, dental problems
Cetrizine			Cough, coryza, allergy
Azithromycin			Cough(spasmodic)
Pantocid			Pain abdomen, vomiting, chest/sterna discomfort
Ondansetron			Vomiting
Fluconazole			Oral ulcers
Candid mouth paint			Oral ulcers
ORS			Loose motions

If you are unable to reach to your doctor and child is suffering from any of the above symptoms start medications as advised according to symptoms. If child not feeding , looks sick and lethargic, you must locate a doctor. And contact us after starting treatment.

IV antibiotics

- Fever not settling with oral medications
- Child looks sick
- Child stops feeding
- Child has very high fever

Consult local doctor
Start injection
- Magnex ..... &
- Inj Amikacin .....

If above antibiotics not available start
- Inj Ceftriaxone OR
- Inj Ofloxacin & Inj Amikacin

Make arrangements to come to Delhi

Childhood cancer is curable if detected in time and treated properly

चेतावनी देने वाले लक्षण / संकेत : बुखार, खांसी, दस्त, मुंह के छाले, खाने पीने में कमी, तेजी से सांस लेना, किसी भी स्थान से खून बहाव, पेट में दर्द, मल त्याग में दर्द, अनुभूति में बदलाव, दौरे, गले में दर्द, निगलने में दर्द, रेट्रो स्टर्नम में असुविधा, चकत्ते, कान से बहाव, नाक से बहाव, सिर दर्द, पीलिया, पेशाब संबंधी शिकायतें, फोड़े।

यदि आपको इनमें से कोई समस्या है तो डॉक्टर से चर्चा करें !!

ये दवाएं आपके पास अवश्य होनी चाहिए

दवा	खुराक	समय / दिन	टिप्पणी
क्रॉसिन			बुखार
एमॉक्सीसिलिन–सीए ल एवुलेनेट			खांसी, नाक से बहाव, कान से बहाव, फोड़े
ओफ्लोक्सेसिन			दस्त, पेशाब की शिकायतें
मेट्रोजिन			दस्त, घाव, पेट में दर्द, दांत की समस्या
सेट्रिजिन			खांसी, कोरिजा, एलर्जी
एजीथ्रोमाइसिन			खांसी (स्पास्मोडिक)
पेनटोसिड			पेट में दर्द, उल्टी, सीने / स्टर्ना में असुविधा
एमसैट			उल्टी
फ्लूकोनेजोल			मुंह के छाले
कैंडिड माउथ पेंट			मुंह के छाले
ओआरएस			दस्त

यदि आप डॉक्टर के पास जाने में सक्षम नहीं है और आपके बच्चे को ऊपर बताए गए कोई लक्षण दिखाई देते हैं तो आप लक्षणों के अनुसार दवा देना शुरू कर सकते हैं। यदि बच्चा भोजन नहीं कर रहा है, बीमार और सुस्त दिखाई देता है तो आपको अवश्य डॉक्टर के पास जाना चाहिए और इलाज शुरू djus के बाद हमसे संपर्क करें।

IV एंटीबायटिक

- मुंह की दवा से बुखार ठीक नहीं होता है
- बच्चा बीमार दिखाई देता है
- बच्चा भोजन करना बंद कर देता है
- बच्चे को तेज बुखार है

स्थानीय डॉक्टरों से सलाह लें
इंजेक्शन शुरू करें
- मैग्नेक्स ..... और
- इंज. एमिकासिन .....

यदि ये एंटीबायोटिक उपलब्ध नहीं हैं तो शुरू करें
- इंज. सेफ्ट्रिक्सोन या
- इंज ओफ्लोक्सेसिन और ंज. एमिकासिन

दिल्ली आने की व्यवस्था करें

बचपन में होने वाले कैंसर का इलाज किया जा सकता है यदि इसका समय पर पता लग जाए **और** सही तरीके से निदान हो जाए

कैंसर का उपचार ले रहे सभी बच्चों के माता- पिता हेतु निर्देश एवं परामर्श

क. मुखीय स्वच्छता

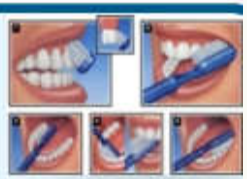

1. बच्चे के खाने अथवा पीने के बाद हर बार 2% बीटाडीन से गरारा कराये तथा मुँह साफ करें।
2. रात को सोने से पहले बच्चे को नरम ब्रश से ब्रुश कराये।
3. यदि बच्चों में मुखीय अल्सर हो रहा है तो, लोट्रेल/कैंडिड लोशन का प्रयोग करें।

ख. सामान्य स्वच्छता

1. प्रतिदिन बच्चे को स्नान करायें यदि बच्चा बीमार है तो तौलिए से साफ कर दें।
2. कपड़े प्रतिदिन बदलें।
3. मास्क पहनें और बच्चे को भी पहनाएँ।
4. रोगी को किसी अन्य व्यक्ति से भेंट नहीं करानी चाहिए, उस व्यक्ति को किसी भी तरह का संक्रमण हो सकता है।
5. बच्चे के परिजन अपने आप को भी साफ़ रखें।

ग. हाथ धोना

1. रोगी को छूने से पहले अपने हाथ साबुन तथा पानी से अच्छी तरह धोने चाहिये।
1. बच्चे को खाना खिलाने से पहले हाथ धोये।
2. शौचालय जाने के बाद साबुन से हाथ धोये।
3. यदि पानी उपलब्ध न हो तो जीवाणुहीन (STEILIUM/PUREHAND) से साफ करें।

घ. कमरे की स्वच्छता

1. जिस कमरे में रोगी का उपचार हो रहा हो, उस कमरे में जूते/चप्पल न ले जाऐं, एवं जिस कमरे में बच्चा और आप रहे उस कमरे को भी साफ़ रखे।

ड. सुरक्षित भोजन एवं पानी

1. केवल भली-भाँति पका हुआ भोजन ही खाये।
2. गली में रेहड़ी पर बेचने वालों से खाना नहीं लेना चाहिए।
3. पीने के लिए उबालकर ठण्डा किया पानी ही प्रयोग करें।

च. टीका

1. उपचार अवधि के दौरान परिवार में रोगी तथा अन्य भाई-बहनों को मुखयी पोलियो टीका न दें।
2. खसरा तथा एम एम आर (MMR) टीका न लगवायें।
3. चिकित्सक से परामर्श के बाद आप चेचक तथा हेपेटाइटिस बी का टीका लगवा सकते है।

छ. सिट्ज़ बाथ

1. बच्चे को सिट्ज़ बाथ जरूर कराये। बच्चे को गुनगुने पानी से भरे साफ़ टब में नियमित रूप से बैठाये।

⊙अपने बच्चे का इलाज सही तरीके से व समय से कराये।
⊙डाक्टर की सलाह पर पूरा ध्यान दें।
⊙बच्चे को यदि बुखार, अधिक खाँसी, उल्टी, मुँह में छाले, साँस में तकलीफ हो, कहीं से खून बहने लगे या बच्चा सुस्त हो जाए या खाना बंद कर दे; तुरन्त अपने डाक्टर से सलाह करें।

इमरजेंसी में तुरंत अपने डॉक्टर से बच्चों की इमरजेंसी में सम्पर्क करें । हेल्प लाइन नंबर - 9810590067

महत्वपूर्ण कमरा नंबर

क्र.सं	जांच के नाम	जांच की जगह	कमरा नंबर
1	एमुनाइज़ेसन	बच्चों की ओपीडी	2
2	एक्स - रे	बच्चों की ओपीडी	15-ए
3	जांच रिपोर्ट	बच्चों की ओपीडी	50
5	अल्ट्रासाउंड	मेन ओपीडी	17
6	रक्त टेस्ट	मेन ओपीडी	27
7	मूत्र और स्टूल टेस्ट	मेन ओपीडी	28
8	रेडियोग्राफ़	मेन ओपीडी	74
9	बेरियम भोजन	मेन ओपीडी, न्यूक्लीयर मेडिसीन	41
10	सीटी स्कैन	मेन ओपीडी, न्यूक्लीयर मेडिसीन	8
11	ईसीजी	मेन ओपीडी	(रिपोर्ट हाथो हाथ) 32
12	पीएसी	मेन ओपीडी, 5 वीं मंजिल	5054
13	टी -3 ,टी -4, टीएसएच	टीचिंग ब्लॉक, 2 मंजिल	2090
14	कल्चर्स	टीचिंग ब्लॉक, 2 मंजिल	म्य्क्रोबयोलोजी
15	बाल चिकित्सा कार्यालय	टीचिंग ब्लॉक,3 मंजिल	3058
16	पीएफटी	टीचिंग ब्लॉक,3 मंजिल	3102
17	ईईजी	बच्चों की ओपीडी	12
18	एम.आर.आई	एम.आर.आई विभाग	सीएन सेंटर के पास
19	जेनेटिक लैब	1 मंजिल, पुराने ओ टी ब्लॉक	4
20	पी ई टी	मेन ओपीडी, न्यूक्लीयर मेडिसीन	4
21	बायोप्सी	टीचिंग ब्लॉक, 1 मंजिल	1078 (सेम्पल),1085 (रिपोर्ट)
22	एफ.एन.एसी	टीचिंग ब्लॉक, 1 मंजिल	1069 (सेम्पल)),1085 (रिपोर्ट)
23	बोन मेरो बायोप्सी	टीचिंग ब्लॉक, 1 मंजिल	1078 (सेम्पल)), 1085 (पूछताछ)
24	बोन मेरो / फ्लो	आई.आर.सी.एच	8
25	पी एस, हिमोग्राम / बायोकैमिस्ट्री	आई.आर.सी.एच	8
26	आर.टी	आई.आर.सी.एच, निचली मंजिल	41-
27	एल. एफ. टी/ आर.एफ.टी	आई.आर.सी.एच, मेन ओपीडी	8 & 27
28	यू.एस.जी निर्देशित बायोप्सी	मेन ओपीडी	17
29	सीटी निर्देशित	मेन ओपीडी	8
30	इको	सीएन सेंटर	62
31	ई.एन.टी	मेन ओपीडी, 4 मंजिल	4111/4123
32	बाल सर्जरी ओपीडी	मेन ओपीडी, 3 मंजिल	
33	बी.सी.आर.ए.बी.एल	आई.आर.सी.एच, 1 मंजिल	156

कैंसर के उपचार हेतु अस्पताल सरकार से सहायता प्राप्त करने हेतु जरूरी कागजात

- राशन कार्ड - बी. पी. एल या ए. पी. ल.।
- राशन कार्ड में धारक का नाम, पता, और धारक के परिवार के सदस्यों का नाम व उम्र।
- गरीबी रेखा के कार्ड पर उपयुक्त अधिकारी के हस्ताक्षर।
- राशन कार्ड पर कार्ड सख्या होनी चाहिए।
- राशन कार्ड पर सदस्यों के अनुसार, आय प्रमाण की राशि प्रत्येक
- राज्य द्वारा निश्चित प्रति व्यक्ति आय के अनुसार आपको जानकारी दी जायेगी।
- आय प्रमाण पत्र पर आय प्रमाण संख्या, जारी करने की तारिख तथा ब्लाक अधिकारी/तहसील/एस. डी. ऍम./ एस. डी ओ. का हस्ताक्षर होना चाहिए।
- यदि आप के पास में राशन कार्ड व आय प्रमाण न हो तो उस स्थिति में आप को अपने क्षेत्र के सांसद (Member of Parliament) का पत्र होना चाहिए, जिसमे यह निश्चित हो की वह आपको सरकारी कोष से सहायता प्रदान करेंगे।

- **उपचार करने वाले डॉक्टर से सत्यापित रोगी का फोटो**
- **चिकित्सक द्वारा हस्ताक्षर अनुमान प्रमाण पत्र**
- **परिवार की आय प्रमाणपत्र**
- **राशन कार्ड की कॉपी**
- **ओपीडी कार्ड की कॉपी**
- **माता-पिता की फोटो पहचान की कॉपी**

सहायता योजना उपलब्ध

- द् एम्स हॉस्पिटल पुअर फंड
- प्रधान मंत्री राहत कोष
- स्टेट एलाइंस एसिस्टेंस फंड (राज्य आरोग्य निधि)
- एम्ससोनियन पुअर फंड
- एनजीओ- केनकिड कैंसर पेशेंट एड एसोसिएशन कैंसर

बाल रोग विभाग के चिकित्सा सामाजिक कार्यक्रता इस प्रक्रिया में आपकी सहायता करेंगें। इलाज के खर्च का अनुमान डॉक्टर द्वरा बताया जाता है